राष्ट्रीय तिलहन विकास कार्यक्रम की प्रगति

595. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान तिलहनों के उत्पादन के संबंध में दिनांक 23 मई, 1989 के "फाइनेन्शियल एक्सप्रेस" में "एन० ओ० डी० पी० प्रोग्रेस अनइम्प्रेसिव" (राष्ट्रीय तिलहन विकास कार्यक्रम की अप्रभावशाली प्रगति) शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) क्या यह सच है कि वर्ष 1988-89 के दौरान तिलहनों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए चलाए गए तिलहनों संबंधी प्रौद्योगिकी मिशन अभियान में बहुत सी त्रुटियां पाई गई हैं; और

(ग) यदि हां, तो वे त्रुटियां क्या हैं और उनकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री नितिश कुमार): (क) जी, हां। यह समाचार 23 मई, 1990 का है, न कि 23 मई, 1989 का, जैसा कि प्रश्न में दिया गया है।

(ख) और (ग) समाचार में प्रकाशित मुख्य कमियां निधि के अव-सामान्य उपयोग, लाभानुभोगियों को अपर्याप्त लाभ पहुंचने, अच्छी किस्म के बीजों की कम मात्रा में सप्लाई, मृदा जांच सुविधाओं की कमी, आदि से संबंधित थीं। इनके बारे में जांच की गई और जहां भी आवश्यक समझा गया, राज्य सरकारों को दोषनिवारक कदम उठाने/उपाय करने को कहा गया क्योंकि राष्ट्रीय तिलहन विकास कार्यक्रम को कार्यान्वित करने वाली एजेंसी राज्य सरकारों की ही है।

Bureau of Indian Standard Institute

596. SHRI RAM. AWADHESH SINGH: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether the service of the Bureau of Indian Standards categorise as an All India Service;

(b) what is the number of officers, designation-wise, who have continuously remained posted at Delhi for six or more years since the dates they joined the B.I.S.;

(c) what is the number of such officers whose cumulative postings at Delhi have been more than ten years alongwith the dates they entered the service of the B.I.S.;

(d) how many applications were received during the year 1989 for posting at Delhi from officers working at other country-wide offices of the B.I.S.; and

(e) how many applicants have actually been transferred to Delhi and how many applications have been rejected till date?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI RAM PUJAN PATEL): (A) Yes.

(b) Deputy Directors—10
Joint Directors—10
Directors — 4

(c) 110 (the dates they entered the service of BIS are given in Annexure). *(See* below)

(d) 6 (Six)

(e) (i) No. of applicants who have actually been transferred to Delhi—3.

(ii) No. of applications which have been rejected—3.

Statement

Number of Officers whose Cumulative Postings at Delhi have been for more than 10 years

No. of Officers	Date of joining BIS
2	18 Dec. 57
	27 Dec. 57
	7 Mar. 58
	26 Feb. 59
	10 Mar. 59
	16 Mar. 59
	19 Mar. 59
	26 May 59 1 Jul. 60
5	Apr. 61
6	Apr. 61

No. of Officers	Date of joining BIS
1	12 Aprl. 61
1	16 May 61
1	27 Jul. 62
1	7 Aug. 62
1	21 Aug. 62
1	22 Aug. 62
1	22 Mar. 63
1	9 Oct. 63
1	15 Oct. 63
1	24 Oct. 63
1	10 Mar. 64
2	16 Mar. 64
2	19 Mar. 64
1	24 Mar. 64
1	30 Apr. 64
1	31 Jan. 66
1	9 Feb. 66
1	14 Feb. 66
1	17 Feb. 66
1	28 Feb. 66
1	18 Mar. 66
1	25 Apr. 66
1	26 Apr. 66
1	3 May 66
4	5 May 66
2	6 May 66
3	10 May 66
1	11 May 66
1	24 May 66
1	30 May 66
1	17 Jan. 67
1	20 Dec. 67
1	6 May 68
1	17 Mar. 69
1	26 Mar. 69
1	19 Aug. 69
1	16 Jan. 70
1	2 Feb. 70
1	4 Feb. 70
1	18 Feb. 70
1	27 Feb. 70
2	23 Nov. 70
1	23 Feb. 71
1	1 Mar. 71
2	2 Mar. 71
1	3 Mar. 71
1	16 Mar. 71
1	19 Mar. 71
1	30 Mar. 71
1	31 Mar. 71
1	18 May 71
1	8 Nov. 71
1	12 Nov. 71
1	16 Dec. 71
1	18 Sep. 72
1	30 Apr. 73
2	15 Oct. 73
1	24 Oct. 73
1	14 Nov. 73
1	10 Dec. 73
1	17 Dec. 73
1	1 Feb. 74
1	21 Feb. 74
1	20 Jun. 75
1	14 Jul. 75
1	15 Jul. 75
1	18 Jul. 75
1	20 Nov. 75
1	27 Feb. 76
1	15 Apr. 76
6	10 Jan. 77
1	19 Jan. 77
1	25 Feb. 77
1	7 Jun. 77
1	12 Sep. 77
1	15 Dec. 77
3	17 Apr. 78
1	8 Jun. 78
1	28 Apr. 80

आन्ध्र प्रदेश के आम उत्पादकों से वसूल किए जाने वाले माल भाड़े में वृद्धि

597. **श्री राम अवधेश सिंह:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि इस वर्ष आन्ध्र प्रदेश के आम उत्पादकों से वसूल किया गया माल भाड़ा पिछले वर्ष वसूल किए गए माल भाड़े से लगभग दुगुना है:

(ख) क्या यह सच है कि पिछले साल जितनी दूरी के लिए 1160 रुपए प्रति टन माल भाड़ा वसूल किया गया था, इस वर्ष उतनी ही दूरी के लिए 2247 रुपए प्रति टन वसूल किए गए हैं जबकि माल भाड़े की दर में केवल 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार ने आन्ध्र प्रदेश